



अत्याचार और अनाचार को सिर झुकाकर वे ही सहज करते हैं जिनमें नैतिकता और चरित्र का अभाव होता है।

-कमलापति त्रिपाठी

- शराब पिलाकर टाइल्स मिस्त्री का रेता गला II
- आज और कल होंगे अर्धनारीश्वर मूर्ति के दुर्लभ दर्शन III
- इरानी पहलवान इरफान ने जीती कुश्ती IV

लखनऊ, गुरुवार, 26 मार्च 2026



# बड़े होटल-रेस्टोरेंट को मिलने लगे कॉमर्शियल सिलेंडर

### कालाबाजारी रोकने को अभी 20 फीसदी सिलेंडर की आपूर्ति ही की जा रही, घरेलू सिलेंडर के लिए लग रही कतारें

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

**अमृत विचार :** शहर के बड़े होटल-रेस्टोरेंट को कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बुधवार से शुरू हो गई है। अभी खपत की 20 फीसदी गैस ही उपलब्ध कराई जाएगी, धीरे-धीरे इसे बढ़ाया जाएगा। क्लार्क अवध, ताज, रेनेसां, रमाडा, हयात, रेडिसन, जेमिनी, नोवोटेल आदि होटलों को कॉमर्शियल सिलेंडर उपलब्ध कराए गए।

जिलाधिकारी विशाख जी ने मंगलवार को आपूर्ति विभाग के अधिकारियों और तेल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर घरेलू और कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति की समीक्षा की थी। इसमें प्लान बनाकर कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति के निर्देश दिए थे। इसमें जिलाधिकारी ने कहा था कि, गैस एजेंसियों कॉमर्शियल सिलेंडर की कालाबाजारी न कर सकें इसके लिए गैस एजेंसियों को केवल ग्राहकों की मांग पर ही आपूर्ति की जा रही है।

बड़े होटलों में इस्तेमाल के लिए कानपुर से 19 किलो से भी अधिक क्षमता के कॉमर्शियल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एडीएम आपूर्ति ज्योति गौतम ने बताया कि गैस एजेंसियों के बड़े उपभोक्ता कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सीधे तेल कंपनियों से मांग कर सकते हैं। बड़े उपभोक्ताओं को अभी कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इसके बाद अन्य होटलों-रेस्टोरेंट को भी मांग और आवश्यकता के हिसाब से आपूर्ति की जाएगी।



हुसेनगंज में स्टेशन रोड पर भारतीय ज्योति गैस सर्विस पर डिलीवरी वैन के पास सिलेंडर लेने के लिए लगी लाइन।



अमृत विचार

### उपभोक्ता लगा रहे गैस एजेंसियों के चक्कर

घरेलू गैस सिलेंडर के लिए अब भी गैस एजेंसियों के बाहर कतारें लग रही हैं। बुकिंग और डीएससी नंबर मिलने के एक हफ्ते बाद भी एजेंसियों घरों पर गैस सिलेंडर नहीं पहुंचा रही हैं। इससे उपभोक्ता परेशान होकर गैस एजेंसियों के चक्कर लगा रहे हैं। बुधवार को केकेसी स्थित भारत की ज्योति गैस सर्विस के बाहर भी गैस लेने के लिए लंबी लाइन लगी रही। बड़े उपभोक्ताओं को डीएससी नंबर मिलने के बाद भी ग्राहकों को सिलेंडर नहीं मिला। उन्हें एजेंसी के कर्मचारी इधर-उधर टहला रहे हैं। इंडेन और भारत की गैस एजेंसियों पर सिलेंडर की समस्या बरकरार है।

### टंकियों पर पेट्रोल खत्म होने की अफवाहों से उमड़ी भीड़

अमृत विचार, लखनऊ: पेट्रोल की किल्लत की अफवाहों के बीच शहर की कई पेट्रोल टंकियों पर बुधवार को अचानक लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हजरतगंज चौराहे और चारबाग जाने वाले मुख्य मार्गों की कई टंकियों पर पेट्रोल के लिए लंबी कतारें लग गईं। लोगों की भीड़ पेट्रोल टंकियों पर उमड़ना शुरू हुई तो वाहन सवार शहर के दूसरे क्षेत्रों की टंकियों की ओर भागने लगे। नतीजा कई जगह पर भारी भीड़ दिखाई तो कई टंकियों पर पेट्रोल खत्म हो गया दर शाम फिर से पेट्रोल मिलने लगा लेकिन लाइन कम होने का नाम नहीं ले रही थी। लोग पेट्रोल-डीजल की पैकिंग खरीदारी करने लगे। हजरतगंज चारबाग, राजाजीपुरम, चौक आदि में पेट्रोल-डीजल लेने के लिए लोगों की कतारें लग गईं। वहीं जिम्मेदारों का कहना है कि शहर में पेट्रोल-डीजल की कोई किल्लत नहीं है, पर्याप्त स्टॉक है।



हजरतगंज स्थित तलवार पेट्रोल पंप पर पेट्रोल भरने के लिए लगी लाइन।

अमृत विचार

## नगर निगम का दूसरा एबीसी सेंटर अमौसी में बनकर तैयार

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

**अमृत विचार :** आवारा कुत्तों को रखने के लिए नगर निगम का दूसरा एनमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर अमौसी में बनकर तैयार है। 1.85 करोड़ रुपये की लागत से एक वर्ष में बनकर तैयार हुए इस सेंटर में लगभग 300 आवारा कुत्तों को रखने की क्षमता है। डॉक्टरों की देख-रेख में यहां आवारा कुत्तों रखकर टीकाकरण और नसबंदी की जाएगी। जिससे कुत्ते हिंसक न हों और इनकी आबादी भी नियंत्रित की जा सके। नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा ने बताया कि अगले महीने एबीसी सेंटर को उद्घाटन होगा।

शहर में आवारा कुत्तों की जनसंख्या करीब 1.30 लाख पहुंच गई है। ये आवारा कुत्ते लोगों को काटकर जखमी कर देते हैं। ऐसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आवारा कुत्तों की आबादी पर नियंत्रित करने और निगरानी के लिए नगर निगम

- 1.85 करोड़ से बने सेंटर में 300 आवारा कुत्तों को रखने की क्षमता
- आक्रामक हो चुके कुत्तों की सेंटर पर 12 दिन की जाएगी निगरानी

से दूसरा एबीसी सेंटर बनाया है। आक्रामक हो चुके और लोगों को काटने वाले कुत्तों को पकड़कर इस एबीसी सेंटर में डॉक्टरों की निगरानी रखा जाएगा। सेंटर में करीब 12 दिन रखा जाएगा। सामान्य होने पर नसबंदी और टीकाकरण किया जाएगा। नगर निगम का पहला एनमल बर्थ कंट्रोल सेंटर जरहरा में बना है। उसमें भी करीब 300 कुत्तों को रखने की क्षमता है। अकेला सेंटर होने के कारण यह छोटा पड़ गया था। अब दूसरा एबीसी सेंटर बन जाने से कुत्तों के प्रजनन पर नियंत्रण में तेजी आएगी। पशु कल्याण अधिकारी ने बताया कि दूसरा एबीसी सेंटर बन जाने से आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण के कार्य में तेजी आएगी।

## एलडीए 18 अप्रैल से शुरू करेगा ओटीएस योजना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार :** लखनऊ विकास प्राधिकरण 18 अप्रैल से एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) शुरू करेगा। इसका लाभ लेने के लिए सभी बकायेदारों को सूचित किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य दे दिया गया है। बकायेदारों की सहायता के लिए कार्यालय में हेल्प डेस्क भी बनेगी।

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बुधवार को बैठक लेकर अधिकारियों को बकायेदारों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। सभी बकायेदारों तक एकमुश्त समाधान योजना की जानकारी पहुंचाने का लक्ष्य भी दिया गया। कहा कि, कॉल सेंटर, आईटी सेल के माध्यम से बकायेदारों को फोन, मैसेज व ई-मेल से सूचना भेजी जाए। किसी कारण फोन पर संपर्क न हो पाए तो पत्र भेजकर सूचना पहुंचाई जाए। प्राधिकरण भवन के भूतल पर बने सिंगल विन्डो काउंटर पर विशेष हेल्प डेस्क भी बनाएं। ऑपरेटर्स की तैनाती की जाए, जो आने वाले सभी आवंटियों

- उपाध्यक्ष ने अधिकारियों से मांगी बकायेदारों की सूची
- अधिकारियों को लक्ष्य दिए गए हेल्प डेस्क भी बनेगी

### दंड ब्याज से मिलेगी छूट

उपाध्यक्ष ने बताया कि यह योजना प्राधिकरण की सभी प्रकार की आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्तियों, समस्त प्रकार की सरकारी संस्थाओं को आवंटित संपत्तियों एवं स्कूल भूखंडों, चैरिटेबल संस्थाओं, नीलामी अथवा अन्य पद्धति से आवंटित संपत्तियों तथा सहकारी आवास समितियों को आवंटित संपत्तियों के लिए खोली गई है। जिन आवंटियों पर समय से किस्तें जमा न करने की सूरात में दंड ब्याज रोपित हो गया है, वह सभी एकमुश्त समाधान योजना का लाभ उठा सकते हैं। इसमें दंड ब्याज से छूट मिलेगी और लोग बकाया धनराशि जमा करके अपनी संपत्ति के मालिक बन सकेंगे।

को पूरी जानकारी देने के साथ ही ऑनलाइन आवेदन की कार्यवाही भी कराएँ।



एलडीए के पारिजात सभागार में बैठक करते उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार।

### मानचित्र के बकायेदारों को भी लाभ

इस बार ओटीएस के अंतर्गत मानचित्र एवं शमन मानचित्रों के बकायेदार आवेदकों को भी राहत मिलेगी। जिन लोगों ने मानचित्र के दंड शुल्कों की किस्तें समय पर जमा नहीं की हैं, उन्हें भी दंड ब्याज से छूट के प्राधान्य का लाभ मिलेगा।

### तीन माह के अंदर निस्तारण और मिलेगी छूट

आवेदन जमा करने की तिथि से तीन माह के अंदर निस्तारण किया जाएगा। डिफाल्ट अवधि के लिए दंड ब्याज से पूरी राहत मिलेगी। उनसे केवल साधारण ब्याज लिया जाएगा, जिसकी गणना सॉफ्टवेयर से होगी। पूरी राशि 30 दिन में जमा करने पर दो प्रतिशत की छूट मिलेगी। एक 50 लाख रुपये से अधिक होने पर एक तिहाई भुगतान 30 दिन में और बाकी तीन द्विमासिक किस्त में छह माह में देना होगा। समय से पैसा न देने पर अतिरिक्त दंड ब्याज के साथ एक माह में जमा करने का मौका मिलेगा।

### चेकिंग में पकड़े गए उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा ओटीएस का लाभ

अमृत विचार, लखनऊ: बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ताओं को पंजीकरण के बाद भी पावर कॉन्पोरेशन की एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आरोप है कि अधिकारी रजिस्ट्रेशन के एक महीने में पूरा बकाया जमा करने का नियम बताकर टाल रहे हैं। मंडियांव श्रीनगर कॉलोनी निवासी लक्ष्मी शंकर ने बताया वे बिजली चोरी मामले में 7972808154 एकाउंट नंबर है। ओटीएस योजना में रजिस्ट्रेशन कराया था। अदायगी के लिए सोमवार को आईटी कॉलेज के पास बिजली कार्यालय में गए थे। कर्मचारियों ने एक महीना से अधिक समय के बीतने का हवाला देकर बिल जमा करने से इंकार कर दिया। माल के अनुरूप ने बताया कि बकाया होने के कारण बिजली काट दी गई थी। बिल को जमा करने के बाद भी आपूर्ति शुरू नहीं की गई। अमौसी जोन के मुख्य अभियंता रामकुमार ने कहा कि लाइन में नहीं जोड़ना, संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर समस्या का समाधान करा जाे।

### बैठक

एलसीटीएसएल बोर्ड ने लगाई पुरानी और बेकार बसों की नीलामी पर मुहर

## फिर संचालित होंगे एलसीटीएसएल के 40 बस शेल्टर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** लखनऊ स्मार्ट सिटी के तहत बनाए गए 40 बस शेल्टर को फिर संचालित किया जाएगा। बेहतर रखरखाव और संचालन के लिए शर्तों में बदलाव कर ई-निविदा निकाली जाएगी। एलसीटीएसएल की पुरानी और बेकार बसों को नीलाम भी की जाएगी। ये निर्णय बुधवार को एलसीटीएसएल की 50वीं बोर्ड की बैठक में लिए गए।

लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एलसीटीएसएल) की बुधवार को मंडलायुक्त और अध्यक्ष विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई। इसमें शहर की बस सेवा, संचालन, वित्तीय प्रबंधन और परिवहन व्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान यह भी तय किया गया कि शहर की बस सेवाओं

- मंडलायुक्त की अध्यक्षता में बैठक संपन्न, शहर की बस सेवाओं और बजट समीक्षा पर जोर

को और अधिक सुरक्षित, सस्ती और सुविधाजनक बनाने के लिए सुधारक कदम उठाए जाएंगे। अक्टूबर 2025 से फरवरी 2026 तक के संचालन कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें बसों की संख्या, यात्रियों की संख्या और आय-व्यय पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने सेवाओं में सुधार के सुझाव दिए और बजट खर्च तथा वित्तीय प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, नगरीय परिवहन निदेशालय के निदेशक, संभागीय परिवहन अधिकारी, पुलिस कमिश्नर के प्रतिनिधि, एलसीटीएसएल प्रबंध निदेशक, मुख्य वित्त अधिकारी, संचालन प्रबंधक आदि मौजूद रहे।



स्मार्ट सिटी की बैठक में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत और अन्य अधिकारी।

### स्मार्ट सिटी की बोर्ड बैठक में विकास कार्यों पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड की निदेशक मंडल की 26वीं बैठक बुधवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में स्मार्ट सिटी कार्यालय के द्वितीय तल स्थित मीटिंग हॉल में आयोजित की गई। जिसमें शहर में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं मटीलेवल भूमिगत पार्किंग, लाइट हाउस परियोजना, स्मार्ट रोड और स्कूलों के नवीनीकरण आदि कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की बेलेंस शीट भी रखी गई। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को सभी परियोजनाएं तय समय में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक परियोजना पद पर एससी सिंह की नियुक्ति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, वित्त निबंधक लखनऊ विकास प्राधिकरण दीपक सिंह, महाप्रबंधक परियोजना एससी सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

### कैसरबाग-घंटाघर क्षेत्र में बिजली लाइनें होंगी भूमिगत

कैसरबाग और घंटाघर क्षेत्र के आस-पास सड़कों पर करीब 50 मीटर तक बिजली के तार भूमिगत करने के कार्य की समीक्षा भी शुरू हुई। संबंधित कार्यदायी संस्था लेसा के अधिकारियों को कार्य को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए।

## नेहरू इन्क्लेव योजना नगर निगम को हैंडओवर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

**अमृत विचार :** लखनऊ विकास प्राधिकरण ने गोमती नगर स्थित नेहरू इन्क्लेव योजना बुधवार को नगर निगम को हैंडओवर कर दी। अब सड़क, नाली, पार्क एवं मार्ग प्रकाश आदि के रख-रखाव की जिम्मेदारी नगर निगम संभालेगा। योजना में अवस्थापना सुविधाओं के अवशेष कार्यों कराने के लिए एलडीए ने नगर निगम को 12 करोड़ रुपये की ट्रांसफर किए हैं। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि प्राधिकरण द्वारा पेपर मिल वार्ड के अंतर्गत नेहरू इन्क्लेव योजना विकसित की गई थी। तब से प्राधिकरण योजना में बुनियादी सुविधाओं के अनुरक्षण का कार्य करता रहा था। इन सुविधाओं को नगर निगम को हैंडओवर करने के संबंध में कार्यवाई करने के

- एलडीए ने नगर निगम को दिए 12 करोड़ रुपये
- अवस्थापना सुविधाओं के कराए जाएंगे कार्य

निर्देश दिए गए थे। जिसके अनुपालन में एलडीए व नगर निगम को संयुक्त टीम द्वारा योजना का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इसमें अवस्थापना सुविधाओं के अवशेष कार्यों को पूर्ण करने के लिए 12 करोड़ रुपये का व्यय आंकलित किया गया। हैंडओवर की प्रक्रिया के अंतर्गत प्रस्तावित एस्टीमेट को स्वीकृत करते हुए पूर्ण धनराशि नगर निगम को उपलब्ध करा दी है। इससे नेहरू इन्क्लेव में बुनियादी सुविधाओं के अनुरक्षण का कार्य सुचारू रूप से होगा और इसका सीधा लाभ योजना में रहने वाली लगभग 50 बसों को आबादी को मिलेगा।





